भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2173

जिसका उत्तर शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/10 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

डीएपी का आयात

2173. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन से किए जाने वाला डीएपी का आयात 2023-24 में 23 लाख टन से घटकर 2024-25 में 8.4 लाख टन रह गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या जनवरी, 2025 से अब तक चीन से एक टन भी डीएपी आयात नहीं किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या चीन ने डीएपी के निर्यात संबंधी प्रतिबंध लगाए हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या चीन के प्रतिबंधों के कारण डीएपी की कीमत बढ़कर तैयार डीएपी हेतु 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन हो गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट किस सीमा तक डीएपी का विकल्प हो सकता है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) सहित फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएंडके) उर्वरक मुक्त सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के तहत आते हैं। उर्वरक कंपनियां अपने कारोबार के उतार-चढ़ाव के अनुसार इन उर्वरकों का आयात/उत्पादन करने के लिए स्वतंत्र हैं। उर्वरक कंपनियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, चीन से किया जाने वाला डीएपी का आयात 2023-24 में 22.28 एलएमटी से घटकर 2024-25 में लगभग 8.47 एलएमटी हो गया है। जुलाई 2025 में, चीन से लगभग 0.97 एलएमटी डीएपी का आयात किया गया है।

(ग): अक्टूबर 2021 में चीन ने डीएपी सहित उर्वरक से संबंधित मदों के निर्यात से पहले अनिवार्य अतिरिक्त निरीक्षण की आवश्यकता वाली वस्तुओं की अपनी सूची में संशोधन किया था।

(घ): भारत के लिए डीएपी का सीएफआर (लागत और मालभाड़ा) मूल्य अप्रैल 2024 में 542 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन से बढ़कर जुलाई 2025 में लगभग 800 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गया।

(ङ.): अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट (एपीएस) को विशेष रूप से सल्फर की कमी वाली मृदा में और सल्फर की मांग वाली फसलों के लिए डीएपी के आंशिक विकल्प के तौर पर काम में लाया जा सकता है। एपीएस नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और सल्फर की आपूर्ति करता है, लेकिन इसमें फॉस्फोरस 'पी' अवयव डीएपी में निहित 46% की तुलना में 20% कम होता है। इस प्रकार, एपीएस एक फसल और मृदा-विशिष्ट पूरक है।

*****